श्री मधु लिमये (बांका) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने इस पर लिख कर दिया है 10 बजे के पहले ।

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास तो नहीं आया है ।

श्री मधु लिमये : आप चेक कर लीजिये ।

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): Communication lapse.

MR. SPEAKER: You can speak at a later stage when it comes before the House.

The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Railways Act, 1890".

The motion was adopted.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I introduce the Bill.

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरैना) : अध्यक्ष महोदय, नियम 377 में मैंने एक नोटिस दिया है, और उस में यह कहा है---

MR. SPEAKER: No please, not on this day, when a no-confidence motion is already under discussion.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): May I seek your guidance ....

MR SPEAKER: Shri Banerjee has a very interesting way of making himself heard. When I do not permit anything, he says 'for my guidance'. In the guise of 'guidance', he says anything. I am very sorry.

SHRI S. M. BANERJEE: Since today you are not admitting a call attention notice because of the no-confidence motion, I would request you to ask the Minister of Civil Aviation to make a statement because the conciliation efforts have failed, 'planes are not flying and they are grounded. That is a very important matter.

MR. SPEAKER: Where does my guidance come here? I have given a ruling that no other motion will come where there is a no-confidence motion under discussion. You can bring it tomorrow.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष जी, मैं ने एक प्रिवलेज मोशन दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : कोई प्रिवलेज नहीं है ।

I am sending it under 115. It will go to the Minister under that and will be dealt with under 115.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : 115 में आप ऐक्सेप्ट कर लीजिये तो भी बात आ सकती है ।

12.12 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY MEMBER

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) अध्यक्ष जी, इस से पहले कि आप माननीय चन्द्रजीत यादव को बुलायें मुझे कल की बहस के बारे में एक व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देना है । कल आप अध्यक्ष के पद पर नहीं थे जब मैंने अपनी बहस में एक मामला उठाया था । मैं ने कहा कि 14 अगस्त, 1972 को दिल्ली में कांग्रेस पार्टी ने स्वतंत्रता की रजत जयन्ती के अवसर पर एक मसाल जलूस निकाला । उस जलूस में भाग लेने के लिये होम गार्डस को आदेश दिया गया । जब मैं यह कह रहा था तो श्री चन्द्रजीत यादव ने कहा, बिल्कुल गलत है ।

श्री चन्द्रजीत यादव : (आजमगढ़): पूरा पढ़ कर बताइये ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: मैं पूरा पढ़ता हूं: "अब मै एक दूसरा दृश्य आप के सामने रखना चाहता हूं---यह 14 अगस्त, 1972 का दृश्य है । देश की स्वाधीनता की रजत-जयन्ती मनाई जा रही थी । हमारे कांग्रेसी मित्र दिल्ली में एक मशालों का जलूस निकालना

चाहते थे । उस जलूस के लिये पर्याप्त लोग इकट्ठे नहीं कर सके, इसलिये होम गार्डस को सरकारी आदेश दिया गया कि कांग्रेस पार्टी के जलूस में मशाले ले कर शामिल हो जायें...

श्री चन्द्रजीत यादव : यह बिल्कुल गलत है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं इस को साबित करने के लिये तैयार हूं ।

श्री चन्द्रजीत यादव : मैं आप को चुनौती देता हूं—साबित कीजिये ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, मेरे पास पत्र-व्यवहार मौजूद है.....

श्री चन्द्रजीत यादव : दिल्ली के लाखों लोग कांग्रेस के साथ चलने के लिये तैयार हैं । मैं चुनौती दे रहा हूं, साबित कीजिये ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, इस सम्बन्ध में पार्लियामेंट में एक प्रश्न हो चुका है.....।

एक माननीय सदस्य : जो चैलेन्ज दिया गया है, अगर यह साबित हो जाय तो क्या होगा ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर यह चीज गलत होगी तो मैं त्याग-पत्र देने के लिये तैयार हूं । श्री चन्द्रजीत यादव इस को गलत साबित करें ।

श्री चन्द्रजीत यादव : मैं आप के चैलेन्ज को गलत साबित करने के लिये तैयार हूं । आप का चैलेन्ज स्वीकार करने के लिये तैयार हूं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, इस सम्बन्ध में एक प्रश्न हो चुका है ।

और अगर माननीय यादव मानने के लिये तैयार नहीं हैं तो में कल प्रमाण देने के लिये प्रस्तुत हूं ।"

आज मैं प्रमाण लाया हूं, यह कोई टेप रेकार्डर नहीं है, यह संसद की कार्रवाई है । एक प्रश्न पूछा गया—15 नवम्बर, 1972 को : कांग्रेस दल के जलूस में होम गार्डस के जवानों द्वारा भाग लिया जाना,—प्रश्न संख्या 406, प्रश्नकर्त्ता श्री हुकम चन्द कछवाय, श्री विश्वनाथ झुन्झुनवाला :

"क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: क्या सरकार (क(का ध्यान 25 अगस्त, 1972 के अंग्रेजी दैनिक "दी मदरलैंड" में प्रकाशित भूतपूर्व संसद सदस्य, श्री कंवर लाल गुप्त के इस वक्तव्य की ओर दिलाया गया है कि 14 अगस्त, 1972 को कांग्रेस दल द्वारा एक जलूस में होम गार्ड के जवानों ने भी भाग लिया था; (ख) क्या इस सम्बन्ध में होम गार्डस निदेशक को गृह मंत्रालय से कोई निदेश प्राप्त हुआ था ; और (ग) इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मोहसिन) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां, श्रीमन् । क्योंकि 14 अगस्त, 1972 को निकाला गया जलूस भारत की स्वतंत्रता की पच्चीसवीं वर्षगांठ के राष्ट्रीय समारोह का एक भाग था अत: सरकार को होम गार्डस के स्वयंसेवकों द्वारा इसमें भाग लेने पर कोई आपत्ति नहीं थी ।"

(व्यवधान)

मुझे ताज्जुब है कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य गलती करने के बाद गलती मानने में लज्जा का अनुभव नहीं करते । मैं कभी बिना प्रमाण के गलत बात नहीं कहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : वाजपेयी जी, अब जरा छोड़िये इस को ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : "टौर्च रैली हैल्ड इन देहली", यह राज्य सभा का प्रश्न है । क्वेश्चन नम्बर 295, तारीख है 16 नवम्बर, श्री प्रेम मनोहर, श्री पीताम्बर दास और बहुत से मेम्बर हैं :

[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

"Will the Minister of Home Affairs be pleased to state whether it is a fact that a torch rally was organised by the Congress in Delhi on the 14th August this year and, if so, the number of Home Guards who participated in the said rally and whether any expenditure was incurred on the rally by Government and, if so, the amount thereof?"

अब गृह मंत्रालय में उप मंत्री श्री मोहसिन का जवाब है : "जी हां, श्रीमान।"

इस का अर्थ है कि कांग्रेस पार्टी ने रैली की। भारत की स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के समारोह के भाग के रूप में 14 अगस्त, 1972 को एक जलूस निकाला गया। 2,000 होम गार्डस स्वयंसेवकों ने जलूस में भाग लिया। होम गार्डस स्वयं सेवकों के भाग लेने में हुए खर्च का अनुमान 7,100 रु० लगाया जाता है। क्या यह साफ नहीं है कि जलूस कांग्रेस का था ? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं यह नहीं चाहता कि माननीय चन्द्रजीत यादव त्याग पत्र दें। त्याग पत्र देना या न देना यह उन के सम्मान की बात है। मगर एक बात वह याद रखें कि जब में सदन में बोलता हूं तो प्रमाण के साथ बोलता हूं। मैं झूठी बातें नहीं कहता हूं।

SHRI VASANT SATHE (Akola): It was not a Congress *jalus*. It was the Rashtriya Samaroh. The Congress did not organise it. Even in the answer, it is not so.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): We ask you whether this is a State or the estate of the ruling party.

It had been organised by the ruling party. This is not a State, this is an estate.... (*Interruptions*)

12.20 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY MINISTER

THE MINISTER OF PLANNING (SHRI D. P. DHAR): Yesterday, Mr. Jyotirmoy Bosu made a reference to me in my absence....

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): That is not my fault; you are supposed to be here all the time.

SHRI D. P. DHAR: I am not apportioning the blame or fault except to myself for having been unfortunately absent on that occasion. He chose to make a reference to me and my colleague in the Planning Commission Mr. Pathak, that he and I visited Paris....

SHRI JYOTIRMOY BOSU: No, no.

SHRI D. P. DHAR: I submit that in fairness to me, the hon. Member should bear with me for a little while and allow me to place facts as I know them and as I see them, for the consideration of this hon. House. I have not been to Paris ever since February 1971, when I went there in connection with Bangla Desh crisis. It is untrue, if I may so submit with respect, that I asked or sought the hospitality of any firm, French or any nationality. If I had to go for the purpose of medical treatment for my heart ailment, I would not have gone and sought the charity of any firm. I would have sought the charity of this august House and I am sure that no hon. Member either on this side or on the other side would grudged me a few pennies for my medical attention, if for nothing else at least for being a humble citizen of this country, if for nothing else at least for some humble and modest service that I have rendered to the people of this country.

The telegram or telex which has been mentioned here bears no conviction to me, and if it is sought to be